कचरा निपटान के तरीके बताए

रेलवे प्लेटफार्म के स्टाल की जांच करते हुए अधिकारी। ● नईदुनिया

रतलाम। रेल मंडल पर मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सोमवार को स्वच्छ पेंट्रीकार/कैंटिन के रूप में मनाया गया। इस दिन मंडल पर स्थित फुड स्टालों व स्टेशन से पास होने वाली ट्रेनों के पेंट्रीकार को चेक कर पेंट्रीकार से निकलने वाले कचरा के उचित निपटारे के बारे में समझाया गया।

मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, नागदा, चित्तौड़गढ़, मंदसौर, नीमच, देवास, दाहोद आदि स्टेशनों पर फुड स्टाल को चेक किया गया। जिसमें पैकड सामानों की एक्सपायरी (अवसान तारीख) व अप्रूव्ड आइटम के अनुसार सामानों की बिक्री हो रही है की जांच की गई। वेंडरों के मेडिकल सर्टिफिकेट की जांच की गई तथा उन्हें खाद्य पदार्थों को बेचते समय स्वच्छता, शुद्धता पर पर विशेष ध्यान देने, खाद्य पदार्थों को ढंककर रखने, वर्तमान कोरोना काल में कारोना गाइड-लाइन का पालन करने हेतु परामर्श दिया गया। इसके अतिरिक्त मंडल के सभी स्टेशनों पर विशेष सफाई कार्यक्रम का आयोजन कर रेलवे ट्रैक, स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में काम आने वाले उपकरणों के आसपास नियमित सफाई की गई। नई.

नईदुनिया २८/१/२१

विश्व रेबिज दिवस आज **पशु पालन विभाग जागरुकता के लिए पहली बार लगा रहा शिविर**

शहर के 400 श्वानों को लगाएंगे रेबीज का टीका

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। पशुपालन विभाग 28 सितंबर को विश्व रेबीज दिवस मना रहा है। इस मौके पर पहली बार निशुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर लगाया जा रहा है। इसमें 400 श्वानों को रेबीज का टीका लगाया जाएगा। शहर के आनंद कालोनी स्थित पशु पालिक्लीनिक में सुबह 10 से दोपहर 2:20 बजे तक टीकाकरण होगा। श्वान पालक यहां पहुंचकर श्वान को टीका लगवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त लावारिस श्वानों का भी टीकाकरण किया जाएगा। सामाजिक संस्था भी इसमें सहयोग कर सकती हैं।

मालूम हो कि 28 सितंबर को लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व रेबीज दिवस मनाया जा रहा है। इस बार पशु पालन विभाग नवाचार के तहत निशुल्क रेबीज का टीका लगा रहा है। इसके लिए कोई सरकारी निर्देश नहीं है, विभाग अपने स्तर पर यह पहल कर रहा है।

पशु पालन विभाग के उपसंचालक डा. एमके शर्मा ने बताया कि जागरूकता की कमी के कारण रेबीज से हर साल मौतें हो रही हैं। कुत्तों के अलावा बिल्लियों, बंदरों, नेवला, सियार आदि के काटने से भी रेबीज होता है। रेबीज पर नियंत्रण के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। कई मामलों में लक्षण शुरू में पूरी तरह से उभरते नहीं हैं, इसलिए ऐसे पशुओं पर पशुपालकों को खुद भी सावधानी बरतने की जरूरत है।

क्या होता है रेबीज

पशु चिकित्सक डा. एमके शर्मा ने बताया कि रेबीज को हाइड्रोफोबिया भी कहा जाता है। यह कुत्ते, बिल्ली, बंदर के से फैलने वाला वायरल जूनोटिक इन्फेक्शन है। इससे इंकेफोलाइटिस जैसा उप द्रव्य होता है, जो निश्चित रूप से चिकित्सा न किए जाने पर घातक होता है। इसका प्रमुख कारण किसी पागल कुत्ते का काटना होता है। किसी संक्रमित पशु के काटने या खुले घाव को चाटने से यह संक्रमण होता है। वायरस व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर इंद्रियों पर आक्रमण करता है।

इन लक्षणों पर रखें नजर

रेबीज के संक्रमण से बुखार, मचली आना और सिरदर्द होता है संक्रमण फैलने से अनैच्छिक झट और अनियंत्रित उत्तेजना, सुस्ती अ श्वास का पक्षाघात होना, पानी पीने प्रयत्न करने पर अचानक ऐंठन, सांस रुकावट आना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

इस तरह सावधानी रखें

जितना हो सके घाव को बह गुनगुने पानी से धोना चाहिए औ घाव को कभी ढके नहीं, इसकी पट्टी करें। नजदीकी दवाखाने में या सरका अस्पताल में जाएं जहां एआरवी उपलब्ध होती है। कुत्ता या पशु का निरीक्षण 1 दिन तक करें।

नई.

नईदुनिया 28/9/21

बिल्डर के पक्ष में रास्ता बताने वाले राजस्व, टीएंडसीपी व निगम अफसरों का रोल जांचेंगे

धोखे की द्वारका रेजीडेंसी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

तत्कालीन महाराजा द्वारा ऑइल मिल के लिए दी गई जमीन पर अफसरों से सांठगांठ कर तानी जा रही द्वारका रेजीडेंसी की सारी अनुमति निरस्त होगी। बिल्डर के पक्ष में रास्ता बताकर परमिशन देने में अफसरों की क्या भूमिका रही उसकी भी जांच होगी। इनमें राजस्व, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और नगर निगम के अधिकारी शामिल हैं।

राज्य शासन को प्रस्ताव भेजेगा। इसके आधार पर सरकार सीधे अफसरों पर कार्रवाई करेगी। द्वारका रेजीडेंसी के सर्वे नंबर, खसरा नकल, नक्शा, अनुमतियों और सरकारी रिकॉर्ड की जांच हुई थी। इसके बाद 29 अगस्त को राजस्व, नगर निगम के अफसरों ने मल्टी और चेतक ब्रिज के बीच वाली 15276 वर्गफीट सरकारी जमीन को लोहे की जाली लगाकर सुरक्षित किया था।

आज बिल्डर का पक्ष सुनेंगे कलेक्टर

द्वारका रेजीडेंसी फर्म की 28 सितंबर को कलेक्टर सुनवाई करेंगे। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के अनुसार द्वारका रेजीडेंसी बनाने वाली फर्म संचालकों का पक्ष जानने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सभी विभागों के अफसरों की भूमिका भी जांची जाएगी। उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजेंगे।

अनुमतियां होंगी निरस्त, रेरा रजिस्ट्रेशन निरस्त कराएंगे : सीमेंट कांक्रीट को रास्ता बताते हुए खरीदारों को धोखा देकर ऊंचे दाम पर दुकान, फ्लैट्स नहीं बेच सके इसके लिए द्वारका रेजीडेंसी फर्म का रेरा रजिस्ट्रेशन निरस्त कराने की कार्रवाई भी शुरू हो गई है।

दै. भास्कर 28/9/21

द्वारका रेसीडेंसी : एक सप्ताह में तय हो जाएगी नीलामी के लिए कमेटी

सुनवाई आज, तय होगा तर्क से भविष्य

मनमर्जी का निर्माण

द्वारका रेसीडेंसी का गड़बड़झाला

रतलाम. शहर के चेतक ब्रिज के करीब बने हुए द्वारका रेसीडेंसी द्वारा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में सुनवाई का आवेदन खारिज होने के बाद अपना पक्ष मंगलवार को जिला दंडाधिकारी के सामने रखा जाएगा। इस पर तर्को के बाद इसका भविष्य तय होगा। इन सब के बीच एक सप्ताह में नीलामी के लिए कमेटी का गठन प्रशासकीय स्तर पर हो जाएगा। ऑनलाइन नीलामी करके 15 हजार वर्गफीट भूमि नीलाम की जाएगी।

15 सितंबर को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने द्वारका रेसीडेंसी के संचालकों द्वारा रखे गए तर्क से असहमत होने हुए इसको यह कहकर खारिज कर दिया था की यह सुनवाई योग्य ही नहीं है। इसके लिए जिला दंडाधिकारी के पास ही जाना होगा। इस मामले में सोमवार को तर्क वितर्क होने थे, लेकिन तकनीकी कारण से यह नहीं हो पाए। अब मंगलवार शाम को यह होंगे। ऐसे में द्वारका रेसीडेंसी को अपना पक्ष रखने के लिए मंगलवार का समय मिला है।

नीलामी के लिए कमेटी बनेगी

शहर में फूड पार्क, ट्रांसपोर्ट नगर सहित अन्य निर्माण कार्य होना है। इनके लिए राशि की जरुरत होगी। इस राशि को द्वारका रेसीडेंसी संचालक द्वारा जो सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था उसको नीलाम करके जुटाया जाएगा। ऑनलाइन होने वाली नीलामी का कार्य नगर निगम करेगी। इसके लिए दर बेहतर मिले इसकी कमेटी बनेगी। कमेटी का गठन एक सप्ताह में कर दिया जाएगा। इसके बाद नीलामी कार्य में तेजी आएगी।

इधर रेलवे कर्मचारियों ने जारी किए वीडियो

इधर द्वारका रेसीडेंसी के करीब बनी हुई सैलाना यार्ड में रहने वाले रेल कर्मचारियों ने अपनी समस्या को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो जारी कर दिया है। इस वीडियो में रहवासियों ने मार्मिक अपील की है कि उनकी समस्याओं को रेलवे अधिकारी नहीं सुन रहे है इसलिए अब प्रशासन ही कुछ मदद कर दें।

पत्रिका/ 28/9/21

नदी पार कर खेतों, घरों में पहुंचे दल, लगाया टीक

वैक्सीनेशन महाअभियान में लक्ष्यपूर्ति के लिए कसावट, विभागों ने संभाला मैदान

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान में शेष रह गए लोगों को टीका लगाने के लिए अब दल घर-घर पहुंच रहे हैं। सोमवार को जिले में नियोजित ढंग से अभियान संचालित किया गया। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने एसपी गौरव तिवारी के साथ वैक्सीनेशन कार्य निरीक्षण के लिए सोमवार को सैलाना क्षेत्र का भ्रमण किया। जिले भर में कहीं दल खेतों में पहुंचे तो कहीं उफनती नदी पार के घरों में जाकर टीके लगाए।

मालूम हो कि जिले में वोटर लिस्ट के मान से करीब 11 लाख लोगों को टीके लगाए जाना है। इसमें से 10 लाख लोगों को टीका लग चुका है। सैलाना-बाजना व पिपलौदा क्षेत्र में वैक्सीनेशन कम होने के चलते अब इन विकासखंडों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दादी को लेकर आए पोते ने भी लगवाया टीका

कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत सोमवार को अलकापुरी कम्युनिटी हाल वैक्सीनेशन सेंटर पर एसडीएम शहर अभिषेक गेहलोत निरीक्षण के लिए पहुंचे तो एक बुजुर्ग महिला दूसरा डोज लगवा रही थी। पौते के साथ आई महिला से गेहलोत ने जानकारी ली कि पौते ने टीका लगाया है कि नहीं। बुजुर्ग महिला मन्नाबाई ने कहा कि वह टीका लगवाने से डर रहा है। इस पर गेहलोत ने पोते कपिल को बुलवाकर वैक्सीनेशन के महत्व से अवगत करवाया। वहां उपस्थित लोगों ने युवक का हौसला बढ़ाया तब युवक वैक्सीनेशन के लिए तैयार हुआ और टीका लगवाया। गेहलोत ने वहां उपस्थित नागरिकों से आग्रह किया कि उनके परिवार में अथवा आस-पड़ोस कोई व्यक्ति शेष रहा हो तो उसे प्रेरित करें उत्साहित करें और वैक्सीनेशन करवाएं।

जोर-शोर से चला महाअभियान

सैलाना। क्षेत्र में सोमवार को महा वैक्सीनेशन का चौथा चरण जोर-शोर से संपन्न हुआ। क्षेत्र के सभी वैक्सीनेशन सेंटर पर सुबह नौ बजे से ही वैक्सीनेशन टीमें मुस्तैदी नजर आई। क्षेत्र मे जिला वैक्सीनेशन अधिकारी डा. प्रभाकर नानावरे, एसडीएम कामनी ठाकुर, तहसीलदार कैलाश डामोर तथा नगर में सीएमओ जेपी गुहा दिनभर वैक्सीनेशन सेंटरों पर भ्रमण करते देखे गए। कोटड़ा बायपास पर बने अस्थायी वैक्सीनेशन सेंटर पर डा. प्रभाकर नानावरे, एसडीएम कामनी ठाकुर तथा सीएमओ जेपी गुहा ने मुआयना कर संतोष व्यक्त किया। यहां पर नोडल अधिकारी धर्मेंद्रसिंह राठौर, स्वास्थ्य विभाग से स्वाति परिहार, आशा धवाई, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रेहाना शेख, शांतिबाई आदि ने सेवाएं दी।

सैलाना में वैक्सीनेशन की जानकारी लेते हुए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम। ●नईदुनिया

मलेनी नदी का तेज बहाव भी नहीं रोक पाया दल को

पिपलौदा तहसील में मलेनी नदी के तेज बहाव के बीच से वैक्सीनेशन दल दूसरे छोर पर पहुंचा और नांदलेटा सहित कुछ गांवों में खेतों में काम कर रहे लोगों को समझाइश देकर खेतों में ही टीके लगाए गए। गांव में घुमक्कड़ बस्तियों में टीका लगवाने में परहेज कर रही महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा, उषा, नर्सों के साथ स्वयं ग्रामीण महिलाओं ने समझाइश दी तो वे टीका लगवाने पहुंची। नांदलेटा सरपंच इंद्रजीत सिंह सिसौदिया ने बताया कि गांव से करीब दो किमी दूर कालबेलिया बस्ती के लोग काम छोड़ नदी पार कर वैक्सिनेशन के लिए आना नहीं चाहते थे। ऐसे में एक टीम द्वारा नदी पार कर टीके लगाने का निर्णय लिया। एक टीम केंद्र पर ही रुकी रही, जिससे केंद्र पर भी वैक्सिनेशन जारी रहा। टीकाकरण के लिए नदी पार करके जाने वाली टीम में एएनएम भानुमति चौहान, नोडल अधिकारी अशोक बैरागी, बीएलओ सुरेंद्र सिंह सिसौदिया और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता रुकमा मालवीय शामिल रहे।

हर दरवाजे पर दी दस्तक, जो भी बचा उसे टीका लगाया

मंदसौर। सितंबर अंत तक 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को टीके की पहली डोज लगाने का लक्ष्य लेकर सोमवार को टीकाकरण महाभियान 4 चलाया गया। इस दौरान 192 सेंटर पर तो टीमें लगी हुई ही थी। वहीं मंदसौर में दो मोबाइल टीम ने कई दरवाजों पर दस्तक दी। इस दौरान जो भी मिला उसे टीका लगाया गया। टीम बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी सहित आमजन की चहल पहल वाली हर जगह पहुंची। इस दौरान घर आंगन, चौक-चौराहे जो जहां भी मिला उसे टीके की पहली डोज लगाई गई। जिले में शाम तक लगभग 15 हजार 792 डोज लग चुके थे और सभी सेंटर पर टीकाकरण भी चालू ही था। जिले में सोमवार को टीकाकरण अभियान के लिए 192 सेंटर बनाए गए थे। मंदसौर शहर में पांच सेंटर बनाए गए थे। इसके अलावा मंदसौर शहर में दो मोबाइल टीमें भी घूम रही थी। जिले को कुल 35 हजार 400 डोज का लक्ष्य मिला था। सोमवार को लक्ष्य यह था कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के संभावित 10.55 लाख लोगों को पहली डोज लग ही जाए। इसी को ध्यान रखते हुए सुबह से ही प्रशासन का सबसे ज्यादा जोर हर व्यक्ति को पहली डोज लगाने पर ही था।

सोमवार सुबह से ही वैक्सीन लगवाने के लिए आंगनबाड़ी, उषा, आशा कार्यकर्ता व अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों के घरों पर दस्तक दे रहे थे। मोबाइल टीमें भी घूम रही थी। ऐसे में जो भी लोग मिले और उन्होंने बताया कि एक भी डोज नहीं लगी है तो मौके पर ही रजिस्ट्रेशन कर डोज लगाई गई। जिले में सोमवार शाम तक तक 9 लाख 23 हजार लोगों को लग चुकी हैं। इनमें दोनों डोज वाले लाख 14 हजार 180 लोग शामिल जिले में मतदाता सूची के अनुसार वर्ष से अधिक उम्र वालों की अनुमा जनसंख्या 10 लाख 55 हजार हैं। इन सभी को सितंबर अंत पहली डोज लगाने का लक्ष्य गया है। सोमवार को मंदसौर जिले 192 टीकाकरण सेंटर पर आफल टीकाकरण किया जाएगा। मंदसौर में पांच सेंटर पर टीकाकरण हुआ।

वैक्सीनेशन महाअभियान में दी सेवाएं

आलोट। कोविड-19 टीकाकरण के महाअभियान में नगर के पांच केंद्रों पर प्रथम व दूसरा टीका लगाने का कार्य किया गया है। इस दौरान लायंस क्लब आफ आलोट आस्था द्वारा भी डा. आंबेडकर भवन पर चल रहे केंद्र पर सेवाएं दी गई। लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित भी किया गया इस दौरान क्लब अध्यक्ष प्रमिला पामेचा, सहसचिव बरखा जोशी, सुनीता शक्तावत आदि सदस्याओं ने सेवाएं दी।

नईदुनिया 28/9/21

बारिश का पानी दो बत्ती पर होगा जमा

16 करोड़ का सिटी फोरलेन : माह में हुए 9 निरीक्षण, पानी निकासी के लिए नाली ही नहीं

पत्रिका न्यूज पंच

रतलाम. शहर में डाट की पुलिया से लेकर दो बत्ती होते हुए मित्र निवास रोड तक सिटी फोरलेन का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। आयुक्त ने इसी माह 9 बार निर्माण कार्य में गति लाने की बात कहते हुए कार्य स्थल पर गए लेकिन किसी को बड़ी गड़बड़ी नजर नहीं आई या नजर अंदाज कर दी गई। यह सिटी फोरलेन 16 करोड़ रुपए की कीमत से तैयार हो रहे इस निर्माण के दौरान सड़क के दोनों तरफ बारिश के पानी की निकासी के लिए कोई नाली का निर्माण ही ठेकेदार द्वारा नहीं किया जा रहा है।

शहर में दो बत्ती से मित्र निवास तक के सिटी फोरलेन की शुरुआत जून जुलाई माह में शुरू हुई। जब एसबीआई की दीवार इसमे बाधा बनी तो नगर निगम ने तुरत फुरत निर्णय लेते हुए बाउंड्रीवाल को ढ़हा दिया। दो बत्ती से लेकर डाट की पुलिया तक निर्माण कार्य इसी माह शुरू हुआ। अब दावा किया जा रहा है कि यहां पर नवरात्रि में कार्य पूरा हो जाएगा व पटरी पार क्षेत्र के जो रहवासी व रेलवे कर्मचारी इस मार्ग से आना जाना करते है उनको सुविधा मिल जाएगी।

इन्होंने पाया सब बेहतर

नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने इस निर्माण कार्य का इसी माह 9 बार निरीक्षण किया है। उज्जैन संभाग के अधीक्षण यंत्री ने हाल ही में कार्य में गति की बात कही, लेकिन किसी ने पानी की निकासी किस तरह होगी यह ध्यान नहीं दिया गया। सिटी इंजीनियर जीके जायसवाल, सुरेशचंद्र व्यास सहित उपयंत्री मनीष तिवारी तक यहां हर सप्ताह आते है। डाट की पुलिया क्षेत्र में बारिश के दौरान लक्ष्मणपुरा से लेकर रेलवे कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्र से पानी तेज बहाव के साथ आता है। हाल ही में 19 सितंबर को तो डीआरएम कार्यालय में भी पानी निकासी नहीं होने से जलजमाव हो गया था। ऐसे में इस क्षेत्र के कारोबारियों से लेकर रहवासियों को भारी परेशानी बारिश के दि होगी। इस समय 16 करोड़ रुपए कीमत के सटी फोरलने के लिए की पुलिया में पेवर ब्लॉक लगाने कार्य तेजी से चल रहा है।

हमारे अनुसार पूरा निर्माण कार्य नियम अनुसार चल रहा है। इसके बाद भी वरिष्ठ अधिकारी जैसा निर्देश देंगे उस अनुसार कार्य किया जाएगा। - **रुपेश पिरोदिया,** निर्माण ऐजेंसी संचालक

निर्माण के दौरान इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि बारिश में पानी एकत्रित नहीं हो, इसके लिए ढलान दी गई है इसके बाद भी ऐसा कुछ हुआ त परिस्थिति अनुसार निर्णय लिया जाएगा। - **सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम

पत्रिका 29/9/21

प्रदेश में 11 लाख से ज्यादा लोगों को लगा टीका

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सोमवार को टीकाकरण महाअभियान के चौथे चरण के तहत प्रदेशभर में लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया। इसमें प्रदेशभर में पहली डोज़ लगवाने से छूटे 79 लाख लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। रात आठ बजे तक 11 लाख 24 हजार लोगों को टीका लगाया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भोपाल में लालघाटी स्थित मानस उद्यान से टीकाकरण महाअभियान-4 का शुभारंभ किया।

शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 86 फीसद पात्र आबादी को पहला टीका लगाया जा चुका है। अब कोई भी व्यक्ति टीके के बगैर नहीं रहेगा। जो बचे हुए हैं, उन्हें ढूंढ-ढूंढ कर टीका लगाया जाएगा। 30 सितंबर तक सभी को पहली और 31 दिसंबर तक दूसरी डोज लगाने का लक्ष्य है।

नीमच के सिंगोली में 90 वर्षीय सुशीला बाई ने टीका लगवाया। • नईदुनिया

दिसंबर अंत तक सभी पात्र लोगों को दूसरा टीका भी लगा दिया जाएगा। मानस उद्यान के टीकाकरण केंद्र पर मुख्यमंत्री की मौजूदगी में पहला टीका 100 साल की बुजुर्ग मोतिबाई को लगाया गया।

जिला	टीकाकरण
झाबुआ	20,000
आलीराजपुर	11,300
बड़वानी	15,000
बुरहानपुर	10,500
देवास	39,500
धार	32,000
इंदौर	43,000
खंडवा	25,500
खरगोन	15,500
मंदसौर	16,900
नीमच	8,000
रतलाम	31,000
शाजापुर	9,000
उज्जैन	23,500
आगर	3,000

नईदुनिया 28/9/21

जिले मे अब तक 383 मरीजों मे डेंगू की पुष्टि हुई, अच्छी बात यह कि इनमें से 325 स्वस्थ भी हुए

डेंगू ही नहीं वायरल बुखार में भी बढ़ गई प्लेटलेट्स की मांग

रतलाम। अगस्त-सितंबर में कोरोना की तीसरी लहर आने का डर था, लेकिन उसके उलट जिले में पिछले करीब एक महीने से डेंगू और वायरल बुखार ने परेशान कर रखा है। आलम यह है कि डेंगू के लिए ही नही, वायरल बुखार के लिए भी प्लेटलेटस की मांग बढ़ गई है। इस बीच अच्छी खबर यह है कि जिले में अब तक जितने डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई उनमें से अधिकांश ठीक भी हो गए है।

सितंबर महीने में लगातार डेंगू के नए मामले सामने आ रहे हैं और मरीजों को प्लेटलेट्स भी हर दिन चढाई जा रही है। कल भी जिला अस्पताल लैब से 15 एलाइजा जांच रिपोर्ट में तीन नए डेंगू मरीजों की पुष्टि की गई। सामाजिक संस्था मानव सेवा समिति से शाम सात बजे तक 115 लोगों ने प्लेटलेट्स प्राप्त कर लिए थे। लेकिन इस बार डेंगू बुखार के मरीजों के साथ वायरल बुखार के मरीजों में भी प्लेटलेट्स तेजी से घट रहे हैं और इससे प्लेटलेट्स की मांग बढ गई है।

सिविल सर्जन डा.आनंद चंदेलकर के अनुसार डेंगू बुखार में तो प्लेटलेट्स घटते ही हैं, लेकिन इस बार वायरल बुखार में तेजी से प्लेटलेट्स घट रहे हैं। हमारे पास जिला अस्पताल में रोज ऐसे मरीज आ रहे हैं। ऐसे में डेंगू तो इस बार तेजी से फैला ही, लेकिन वायरल भी नए रूप में देखने को मिल रहा है। इसकी वजह कोरोना काल भी हो सकता हैं, लेकिन बिना किसी रिसर्च के ऐसा तय नहीं कर सकते हैं। इस बार जैसे प्लेटलेट्स की मांग तो हमने पहले कभी नहीं देखी। सभी मरीजों को उपचार से ठीक कर रहे हैं। अभी तो डेंगू और वायरल के मरीज कम नहीं हो रहे हैं। रविवार को भी अस्पताल के सभी बेड फुल रहे और मेडिकल कालेज में 200 से अधिक मरीज भर्ती हैं। कंट्रोल होगा, लेकिन मौसम अनुकूल होने के बाद।

गौरतलब है कि जिले में अब तक 383 मरीजों में डेंगू के मरीजों की पुष्टि एलाइजा जांच में की जा चुकी है। इनमें मेडिकल कालेज लैब की रिपोर्ट भी शामिल है। जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज और निजी अस्पतालों में एंटीजन किट जांच में रविवार को भी चालीस मरीज सामने आए। इनका इलाज चालू हो गया है। दोनों तरह की जांचों में मिले मरीजों की संख्या लगातार बढ रही हैं। रविवार को भी जिला अस्पताल में मरीजों की लंबी कतार लगी रही। पैथालाजी लैब में दूसरे दिन रिपोर्ट मिल रही है। इस बीच सहायक जिला मलेरिया अधिकारी एसएन वसुनिया ने बताया कि शहर में रविवार को भी सर्वे हुआ और फागिंग चलती रही। 460 घरों में सर्वे के दौरान 50 घरों में लार्वा मिला, जिसे नष्ट कराया गया। शहर के हर वार्ड में सर्वे होगा और फागिंग की जा रही है। एलाइजा जांच में डेंगू पाजिटिव मरीजों में 325 स्वस्थ होकर घर चले गए हैं और शेष उपचार ले रहे हैं। शहर में 5211 घरों में सर्वे हो चुका है और 686 घरों मिला लार्वा भी नष्ट कराया गया।

अभिभाषा 27

अभिभाषा 27/9/21

डेंगू के 12 नए मामले, एलाइजा जांच किट फिर खत्म

जनवरी से अब तक 1521 सैंपल में 395 पाजटिव निकले, नियंत्रण के दावे बेअसर, कई मामलों में मरीज गंभीर

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में डेंगू के नए मामले लगातार मिल रहे हैं, जबकि सर्वे, लार्वानष्टीकरण, फागिंग और जागरुकता की गतिविधियां एक महीने से लगातार चल रही हैं। जिस क्षेत्र में मरीज मिल रहे हैं, वहां कीटनाशक छिड़काव के साथ घर-घर विशेष सर्वे हो रहा है, लेकिन नए मरीज मिलना लगातार जारी है। सोमवार को भी एलाइजा जांच की 48 रिपोर्ट में 12 नए डेंगू के मामले मिले हैं।

इस साल जनवरी से लेकर अब तक जिले में 1512 सैंपल की एलाइजा जांच में 395 मरीज डेंगू पाजिटिव मिले। इसमें 160 सैंपल मेडिकल कालेज लैब के और शेष जिला अस्पताल लैब के हैं। सोमवार को मेडिकल कालेज लैब में एलाइजा जांच किट खत्म होने से जांच रुक गई। यही हाल जिला अस्पताल का भी था।

हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने दावा किया है, मंगलवार को किट उपलब्ध हो जाएगी और जांच होने लगेगी। मेडिकल कालेज में दो सेट किट के थे, जिनमें सैंपल लग गए हैं। अब स्वास्थ्य विभाग किट उपलब्ध कराएगा तो जांच होगी।

इधर एंटीजन किट जांच में भी तीस नए मरीज मिले हैं, जिनमें जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज और निजी अस्पताल के मरीज शामिल हैं। दोनो जांचों के मामले मिला दें, तो 1200 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं और आठ मौतें भी हुई, लेकिन यह सरकारी गिनती में नहीं हैं, क्योंकि एलाइजा जांच में ही पुष्टि मानी जाती है।

बाल चिकित्सालय में उपचाररत बच्चों के साथ अभिभावक। ●नईदुनिया

516 घरों का सर्वे, 90 में लार्वा मिला

सोमवार को भी शहर में 516 घरों का सर्वे किया गया, जिनमें 90 घरों में लार्वा मिला, जिसे नष्ट कराया गया। 354 पानी टंकी चेक की गई, 35 में लार्वा मिलने पर पानी खाली कराया गया। 1493 कंटेनर चेक किए गए तो 86 में लार्वा पाया गया।

सहायक जिला मलेरिया अधिकारी एसएन बसुनिया ने बताया कि शहर में सर्वे के साथ फागिंग चल रही है। जहां मरीज मिलते हैं, वहां विशेष सर्वे करा रहे हैं।

रतलाम में फागिंग करते हुए कर्मचारी। ●नईदुनिया

नई.

नईदुनिया २८/९/२१

वैक्सीनेशन • रतलाम शहर में 2500 लोगों को लगा पहला डोज, पॉश कॉलोनी के ज्यादातर केंद्र पर कम लोग पहुंचे क्योंकि लगवा चुके वैक्सीन

97 % लक्ष्य हासिल किया: अब 3% ऐसे लोग बचे जो बीमार या शहर छोड़कर जा चुके, प्रशासन का दावा - 100% से कर लिया संपर्क

अंचल में रात साढ़े नौ बजे तक चला वैक्सीनेशन

भास्कर संवाददाता | रतलाम

वैक्सीनेशन को लेकर हमारे लिए अच्छी खबर है। मतदाता सूची के मुताबिक जिला 97% वैक्सीनेटेड हो गया है। प्रशासन का दावा है कि अब जो 3% लोग बचे हैं, वे ऐसे हैं जो वैक्सीन नहीं लगवाना चाहते हैं। बीमार हैं या शहर छोड़कर जा चुके हैं। प्रशासन 100% लोगों से संपर्क कर चुका है।

सोमवार को महाअभियान था। इसमें पहले डोज से बचे लोगों को वैक्सीन लगाई गई। फरमान था कि सोमवार के बाद वैक्सीन का पहला डोज नहीं लगेगा। इसका असर दिखा, कई लोग वैक्सीन लगवाने पहुंचे। शाम तक जिले में 35 हजार लोगों को वैक्सीन लग गई।

वैक्सीनेशन दल कहीं नदी पार कर टीकाकरण करने के लिए पहुंचा तो कहीं टॉर्च की रोशनी में टीके लगाए

पिपलौदा तहसील में मलेनी नदी उफान पर थी। वैक्सीनेशन टीम नदी पार कर पहुंची।

दीनदयाल नगर स्थित राधा कृष्ण स्कूल में बिजली गुल होने पर टॉर्च की रोशनी में टीका लगाया गया।

सैलाना में टीम ने रात तक लोगों को टीके लगा। यहां पर रात 9.30 बजे तक वैक्सीनेशन का सिलसिला चला।

शहर में 2500 लोगों को पहला टीका, कुछ केंद्र खाली रहे

शहर में 2500 लोगों ने पहला डोज लगवाया। पॉश कॉलोनियों में बने केंद्रों पर पहले डोज का सबसे कम वैक्सीनेशन हुआ। सरस्वती स्कूल में 18 लोग, नृसिंह वाटिका में 17 लोग, डीआरएम ऑफिस में 49 लोग, शास्त्री नगर राजपूत बोर्डिंग में 39 लोग पहुंचे।

दादी वैक्सीन लगवा रही थी, पोता बोला - डर लगता है

अलकापुरी कम्युनिटी हॉल में बुजुर्ग महिला पोते के साथ दूसरा डोज लगवा रही थी। एसडीएम ने महिला से जानकारी ली कि पोते ने टीका लगाया है कि नहीं। बुजुर्ग महिला मन्नाबाई ने कहा कि वह टीका लगवाने से डर रहा है, बाद में उसे समझाइश दी तो टीका लगवा लिया।

धर्मशालाओं में जांच के लिए पहुंचे

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने सोमवार को सैलाना क्षेत्र के केंद्रों का निरीक्षण किया। सैलाना बालक हायर सेकेंडरी स्कूल स्थित वैक्सीनेशन सेंटर में स्टाफ से चर्चा की। कुमावत धर्मशाला में वैक्सीनेशन काम का जायजा लिया। वहां आने जाने वाले यात्रियों को चेक किया जा रहा था, उनसे पूछा जा रहा था कि वैक्सीनेशन हुआ या नहीं, जिनका नहीं हुआ, उन्हें वैक्सीन लगाई गई। कलेक्टर ने ग्राम आडवानिया पंचायत भवन पहुंचे वहां, 1040 लोगों को पहला डोज लगाया जा चुका था, अभी 44 लोग बाकी थे।

हम 100% लोगों तक पहुंच गए

मतदाता सूची के मुताबिक 97% वैक्सीनेशन हो गया है लेकिन हमने सभी 100% लोगों से संपर्क कर लिया है। कुछ बीमार हैं, कुछ शहर में नहीं हैं। इसका पूरा डाटा हमारे पास मौजूद है। वैक्सीनेशन को लेकर सभी ने बहुत अच्छा काम किया है।

कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर, रतलाम

दै. भास्कर 28/9/21

डेंगू के 12 नए मामले, एलाइजा जांच किट फिर खत्म

जनवरी से अब तक 1521 सैंपल में 395 पाजटिव निकले, नियंत्रण के दावे बेअसर, कई मामलों में मरीज गंभीर

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में डेंगू के नए मामले लगातार मिल रहे हैं, जबकि सर्वे, लार्वानष्टीकरण, फागिंग और जागरुकता की गतिविधियां एक महीने से लगातार चल रही हैं। जिस क्षेत्र में मरीज मिल रहे हैं, वहां कीटनाशक छिड़काव के साथ घर-घर विशेष सर्वे हो रहा है, लेकिन नए मरीज मिलना लगातार जारी है। सोमवार को भी एलाइजा जांच की 48 रिपोर्ट में 12 नए डेंगू के मामले मिले हैं।

इस साल जनवरी से लेकर अब तक जिले में 1512 सैंपल की एलाइजा जांच में 395 मरीज डेंगू पाजिटिव मिले। इसमें 160 सैंपल मेडिकल कालेज लैब के और शेष जिला अस्पताल लैब के हैं। सोमवार को मेडिकल कालेज लैब में एलाइजा जांच किट खत्म होने से जांच रुक गई। यही हाल जिला अस्पताल का भी था।

हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने दावा किया है, मंगलवार को किट उपलब्ध हो जाएगी और जांच होने लगेगी। मेडिकल कालेज में दो सेट किट के थे, जिनमें सैंपल लग गए हैं। अब स्वास्थ्य विभाग किट उपलब्ध कराएगा तो जांच होगी।

इधर एंटीजन किट जांच में भी तीस नए मरीज मिले हैं, जिनमें जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज और निजी अस्पताल के मरीज शामिल हैं। दोनो जांचों के मामले मिला दें, तो 1200 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं और आठ मौतें भी हुई, लेकिन यह सरकारी गिनती में नहीं हैं, क्योंकि एलाइजा जांच में ही पुष्टि मानी जाती है।

बाल चिकित्सालय में उपचाररत बच्चों के साथ अभिभावक। ●नईदुनिया

516 घरों का सर्वे, 90 में लार्वा मिला

सोमवार को भी शहर में 516 घरों का सर्वे किया गया, जिनमें 90 घरों में लार्वा मिला, जिसे नष्ट कराया गया। 354 पानी टंकी चेक की गई, 35 में लार्वा मिलने पर पानी खाली कराया गया। 1493 कंटेनर चेक किए गए तो 86 में लार्वा पाया गया।

सहायक जिला मलेरिया अधिकारी एसएन बसुनिया ने बताया कि शहर में सर्वे के साथ फागिंग चल रही है। जहां मरीज मिलते हैं, वहां विशेष सर्वे करा रहे हैं।

रतलाम में फागिंग करते हुए कर्मचारी। ●नईदुनिया

नई.

नईदुनिया 28/9/21

देर शाम तेज बारिश से पूरा शहर भीगा...औस्त से अधिक बारिश दर्ज

रतलाम। शहर में सोमवार को फिर तेज बारिश हुई। हालांकि बारिश कुछ मिनटों के लिए हुई, लेकिन इससे पूरा शहर भीग गया। वहीं औसत से अधिक बारिश भी दर्ज की जा चुकी हैं।

सप्ताह की शुरूआती दिन यानी सोमवार को भी देर शाम बारिश हुई। तेज बारिश से शुरूआत हुई और कुछ देर के बाद यह बंद हो गई। लेकिन इस तेज बारिश से पूरा शहर तरबतर हो गया। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भी शहर में तेज बारिश हुई थी। जिससे शहर में डूब जैसी स्थित कई स्थानों पर बनी थी। मौसम विभाग की माने तो आगामी दिनों में भी रिमझिम और तेज बारिश की संभावना बन रही हैं।

जिले में 41 इंच से अधिक वर्षा दर्ज

जिले में अब तक 1020.5 मिलीमीटर (करीब 41 इंच) वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक औसत 1082.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष जिले में 62.1 मिलीमीटर वर्षा कम हुई है। जिले में गत 24 घंटो के दौरान सोमवार सुबह 8.00 बजे तक औसत 10.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। आलोट में 8 मिलीमीटर, जावरा में 20 मिलीमीटर, ताल में 1 मिलीमीटर, पिपलौदा में 1 मिलीमीटर, बाजना में 6 मिलीमीटर, रतलाम में 7 मिलीमीटर, रावटी 36.2 में मिलीमीटर तथा सैलाना 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

कोरोना टीकाकरण महाअभियान आज, सीएम शिवराज बोले- यह है लक्ष्य

भोपाल • एजेंसी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 27 सितंबर को अब कोई न छूटे कोरोना टीकाकरण महाअभियान-4 में सभी पात्र नागरिकों को वैक्सीन की पहली डोज लगाई जाएगी। इस अभियान में अब कोई न छूटे, इस भाव से समाज के सभी वर्गों और व्यक्तियों की स्व-प्रेरणा से सक्रिय भागीदारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की प्रथम डोज शत-प्रतिशत पात्र लोगों को लगाकर प्रदेश को सुरक्षित बनाना है। उन्होंने वैक्सीनेशन के पुनीत कार्य में साथ आकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैक्सीन की निःशुल्क उपलब्धता करवा कर पुण्य का काम किया है। अब हम सबका दायित्व है कि सभी पात्र लोग वैक्सीन अनिवार्य रूप से लगवाएँ। अभी तक वैक्सीनेशन की उपलब्धियों के लिए जन-भागीदारी रेखांकित हुई है। जिला, विकासखंड, वार्ड और ग्राम पंचायत स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाकर पिछले टीकाकरण महा-अभियानों को सफलता दिलाई है। 27 सितंबर को टीकाकरण महा-अभियान-4 में भी क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों और सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद, विधायक, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के जन-प्रतिनिधियों सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रमुखों, धर्मगुरुओं, मीडिया प्रतिनिधियों, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों और गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनता से वैक्सीन का प्रथम डोज लगवाने की अपील करें, उन्हें प्रेरित करें, जिससे अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सुरक्षित बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि डॉक्टरों और वैज्ञानिकों का मत है कोरोना से सर्वाधिक सुरक्षा वैक्सीनेशन से ही संभव है। प्रदेश में वैक्सीनेशन का पहला डोज करीब 84त्र आबादी को लग चुका है। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इसके परिणामस्वरूप ही हम प्रदेशवासियों में कोरोना संक्रमण की स्थिति को रोकने में सफल हो पाए हैं। हम कोरोना की तीसरी लहर को किसी भी स्थिति में नहीं आने देंगे।

सिंघम 27/9/21

दिन भर गर्मी से लोग थे परेशान, शाम को बारिश

शहर में देर शाम से शुरू हुई तेज बारिश

रतलाम. शहर में सोमवार की शाम एक बार फिर से जोरदार बारिश का दौर शुरू हो गया। कुछ देर की बारिश ने शहर को तरबतर कर के रख दिया और सड़कों पर पानी बह निकला। इसके पूर्व दिन भर धूप निकली रही जिसके चलते लोगों को गर्मी का अहसास होता रहा लेकिन शाम होते ही आसमान में फिर से बादलों ने डेरा डाल लिया और अचानक तेज बादलों की गड़गड़ाहट और आवाज के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया।

अब तक 1020.5 मिलीमीटर (करीब 41 इंच) वर्षा दर्ज की गई हैं। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष जिले में 62.1 मिलीमीटर वर्षा कम हुई हैं। जिले में गत 24 घंटो के दौरान सोमवार सुबह 8 बजे तक औसत 10.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। आलोट में 8 मिलीमीटर, जावरा में 20 मिलीमीटर, ताल में 1 मिलीमीटर, पिपलौदा में 1 मिलीमीटर, बाजना में 6 मिलीमीटर, रतलाम में 7 मिलीमीटर, रावटी 36.2 में मिलीमीटर तथा सैलाना 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक धोलावाड़ डेम पहुंचे।

धोलावाड़ डेम का निरीक्षण

जिले में अच्छी बारिश के बाद सोमवार को कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी धोलावाड़ डेम पहुंचे और यहां जलभराव का निरीक्षण किया। डेम पर पर्यटन गतिविधियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर ने कहा कि शीघ्र ही डेम पर रोमांचक एवं एडवेंचरस गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, इसके लिए कार्य योजना तैयार की जाएगी।

पत्रिका २४/७/२१